शब्दबाणों का प्रहार

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

संपादक : संजय बघेल

सिवनी

रविवार 15 फरवरी 2026 | E-PAPER: www.rashtrabaan.in | वर्ष : 10 | अंक : 290 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 5.00 रुपए | www.facebook.com/rashtrabaan | www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने फोन चोरी कर नेपाल भेजने वाले सप्लायर को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली में चोरी के मोबाइल फोन नेपाल भेजने वाले मुख्य सप्लायर को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक आरोपी का नाम जितेंद्र उर्फ झेला है। एक गिरोह का हिस्सा है, जो मोबाइल छीनने और चोरी की वारदातों में शामिल रहता है। जितेंद्र गिरोह का मुख्य रिसीवर और सप्लायर था। इससे पहले पुलिस ने उसके दो साथियों को पहले पकड़ा था। दोनों के पास से 52 चोरी के मोबाइल बरामद हुए थे। पूछताछ में जितेंद्र ने खुलासा किया कि वह चोरी के मोबाइल नेपाल के पोखरा स्थित एक नेपाली नागरिक को सप्लाई करता था।

मुंबई में मेट्रो का पिलर ऑटोरिक्शा पर गिरा, कई लोग घायल हुए

मुंबई। मुंबई के मुलुंड इलाके में शनिवार दोपहर एलबीएस रोड स्थित जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी के पास बन रहे मेट्रो पिलर का एक हिस्सा अचानक गिर गया। यह हिस्सा नीचे से गुजर रहे ऑटो रिक्शा और एक कार पर गिरा। हादसे में ऑटो में सवार 3 से 4 लोग घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। मुंबई फायर ब्रिगेड, पुलिस, मेट्रो स्टाफ, वार्ड स्टाफ और 108 एम्बुलेंस सर्विस मौके पर मौजूद हैं।

जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास 40 करोड़ की हेरोइन जब्त

श्रीनगर। जम्मू के आरएस पुरा सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भेजी गई 6.5 किलो से ज्यादा हेरोइन जब्त की गई है। इसकी अनुमानित कीमत 40 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। बीएसएफ की 165वीं बटालियन और जम्मू पुलिस की ज्वॉइंट टीम ने शनिवार को खेतों से यह जब्ती की। अधिकारियों ने बताया कि यह बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ तस्करी की कोशिश को नाकाम करने में सफलता मिली है। पुलिस ड्रोन के संदिग्ध मूवमेंट की जानकारी मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज जांच की जा रही है

राष्ट्रबाण

अगर आपको नहीं मिल रहा है आपका लोकप्रिय अखबार राष्ट्रबाण तो आज ही अपने हॉकर से बोलिए या हमे कॉल कीजिए

सिर्फ 100 रुपए महीना

संपर्क : 7000427433

पीएम मोदी एयरक्राफ्ट से असम के हाईवे पर उतरे

- ऐसा करने वाले पहले पीएम, बोले- देश का बुरा सोचने वाले को कांग्रेस कंधे पर बैठाती है

राष्ट्रबाण | गुवाहाटी | एजेंसी | rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को असम दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गुवाहाटी में कहा- कांग्रेस ने देश को खतरे में डालकर रखा था। कांग्रेस ने जब भी सेना के लिए हथियार खरीदे, उसका मतलब हजारों करोड़ का घोटाला था। उन्होंने कहा- आज की कांग्रेस ऐसे लोगों और विचारों का साथ दे रही है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। जो लोग देश को तोड़ने की बात करते हैं या ऐसे नारे लगाते हैं, वे कांग्रेस के लिए सम्मानित बन गए हैं।

पीएम पहले चाबुआ एयरफील्ड पहुंचे थे। इसके बाद वे वायुसेना के ष्ट-130 एयरक्राफ्ट से डिब्रूगढ़ पहुंचे। प्लेन ने यहां मोरन बाईपास पर इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी पर लैंडिंग की। मोदी ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री बने।

मोरन बाइपास चाइना बॉर्डर से लगभग 300 किमी दूर

पीएम मोदी का प्लेन आज सुबह करीब 10 बजे मोरन बाइपास पर बनी ईएलएफ पर उतरा। यह एयरस्ट्रिप सैन्य रणनीति के लिए अहम है। यह इलाका चाइना बॉर्डर से लगभग 300द्मद्व दूर ही है। मोरन हाईवे पर पीएम की मौजूदगी में राफेल, सुखोई समेत 16 लड़ाकू विमान एरियल शो किया। इस दौरान विमान हाईवे से ही लैंडिंग और टेकऑफ करके दिखाया। डेमो 30 मिनट तक चला।

पीएम ने इसके बाद ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मन सेतु और आईआईएम गुवाहाटी के टेंपरेरी कैंपस का उद्घाटन किया। पीएम मोदी का यह पिछले तीन महीने में तीसरा असम दौरा है। असम में इसी साल विधानसभा चुनाव है। राज्य में 2016 से लगातार दो बार एनडीए की सरकार बनी है। इससे पहले 2001-2016 तक कांग्रेस की सरकार थी।

पीएम मोदी के भाषण की 5 खास बातें

- कांग्रेस के समय असम को पाई-पाई के लिए तरसाया जाता था। तब टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। भाजपा की सरकार में 5 गुना ज्यादा मिल रहे हैं।
- जब मैं प्लेन से मोरन हाईवे पर उतरा तो नया इतिहास बन गया। कभी नार्थ ईस्ट का नाम आते ही लोग सोचते थे कि छोड़ो टूटी सड़क मिलेंगी तो कब ही पहुंचेंगे। आज यहां हाईवे पर हवाई जहाज भी लैंड करते हैं।
- भाजपा सरकार ने 10 साल में ब्रह्मपुत्र पर 5 बड़े पुल बनाए। कांग्रेस की 70 साल की सत्ता में 3 पुल बने। यह बताता है कि कांग्रेस ने असम को समस्या दी और हमने समाधान दिए।
- पिछले 12 साल में जब भी कोई नई शुरुआत हुई तो उसका फायदा नार्थ ईस्ट को मिला। वंदे भारत शुरू हुई तो असम नार्थ ईस्ट कनेक्ट हो गया। स्लीपर वंदे भारत भी असम से शुरू हुई।
- असम के लोगों के वोट के कारण यहां लाखों परिवारों के घर बने। शौचालय बने। पीने का पानी घर तक पहुंचा। इस पुण्य का हकदार भाजपा के बूथ का कार्यकर्ता है।

पीएम बोले- 2014 में 6 एम्स थे, आज देश में 20 से ज्यादा

पीएम ने कहा- कांग्रेस के समय में 3जी और 4जी टेक्नोलॉजी आई टूजी घोटाले आए, लेकिन असम नार्थ ईस्ट तक उसे तेजी से पहुंचाने के लिए कांग्रेस ने मेहनत नहीं की। जब हम 5जी टेक्नोलॉजी लाए तो इसे पूरे असम में नार्थ ईस्ट में गांव गांव तक पहुंचाने के लिए काम किया। असम में डेटा सेंटर की भी शुरुआत हुई है, इससे युवाओं को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री बोले- कांग्रेस ने दशकों

तक एम्स के विस्तार पर ध्यान नहीं दिया। 2014 में देश में 6 एम्स थे आज देश में 20 से ज्यादा एम्स हैं। गुवाहटी के अलावा असम में कई मेडिकल कॉलेज खोले गए कल पीएम राहत योजना को मंजूरी दी। दुर्घटना में घायल होने पर 1.50 लाख तक का इलाज केंद्र सरकार मुफ्त में कराएगी।भाजपा कार्यकर्ताओं में बड़ी संख्या युवाओं की है। उन्होंने कहा- देश में जब मैनेजमेंट और उच्च शिक्षा की बात होती थी तो असम और नार्थ ईस्ट के बच्चों को बाहर जाना पड़ता था। आज आईआईआईएम गुवाहटी का उद्घाटन हुआ आईआईटी भी बन रहा है।

असम में बनी पूर्वोत्तर की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी

मोरन एयरस्ट्रिप एनएच-127 के 4.4 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बनाई गई है। यह भारत की पहली इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ईएलएफ) है, जो सेना और सिविल विमानों दोनों के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। ईएलएफ का मतलब है कि युद्ध और इमरजेंसी जैसे हालात में हवाई जहाजों को हाईवे पर ही उतारा जाए और यहीं से उड़ान भरने की व्यवस्था हो। इससे सड़क का दोहरा फायदा होता है। रोजमर्रा के ट्रैफिक के साथ-साथ सैन्य जरूरतों के लिए। डुअल-यूज इंफ्रास्ट्रक्चर के कॉन्सेप्ट पर तैयार ईएलएफ 40 टन तक के फाइटर एयरक्राफ्ट और 74 टन तक के मैक्सिमम टेक-ऑफ वेट वाले ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट को हैंडल करने में सक्षम है।

अब अविमुक्तेश्वरानंद बोले- आप योगी हैं तो मुख्यमंत्री पद पर क्यों

शंकराचार्य को सरकारी प्रमाण नहीं चाहिए; सीएम बोले थे- कोई भी शंकराचार्य नहीं लिख सकता

राष्ट्रबाण | वाराणसी | एजेंसी | rashtrabaan.in

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शनिवार को वाराणसी में कहा कि सनातन धर्म में शंकराचार्य की पहचान किसी राजनीतिक प्रमाणपत्र से नहीं होती। सरकार या कोई राजनीतिक दल यह तय नहीं करेगा कि कौन शंकराचार्य होगा। उन्होंने कहा, सनातन में ऐसी कोई परंपरा नहीं कि कोई मुख्यमंत्री या सरकार प्रमाणपत्र देकर शंकराचार्य नियुक्त करे। इन्होंने स्वामी वासुदेवानंद जी को शंकराचार्य का प्रमाणपत्र दिया। उन्हें हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने रोक रखा है। कोर्ट बार-बार कह रही है कि इन्हें शंकराचार्य न कहा जाए।

अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि सपा ने शंकराचार्य को मारा था। आप भी मार चुके हो। मतलब सपा ने जिसे मारा, उसे हम भी मार सकते हैं। अगर यही परिभाषा है, तो आप सपा से अलग कैसे हो सकते हो? जो अहंकार 2015 में अखिलेश के माथे पर चढ़ा था, वही अहंकार आप पर चढ़ गया है। अखिलेश तो बर्बाद हो गए। अब इनका हाल देखिएगा।

दरअसल, शुक्रवार को सदन में सीएम ने अविमुक्तेश्वरानंद के मुद्दे पर पहली बार अपनी बात रखी थी। इस दौरान योगी ने कहा था- हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं लिख सकता। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं हो सकताः योगी

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में बात रखी। योगी ने कहा- हर व्यक्ति शंकराचार्य नहीं लिख सकता। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। मैं भी नहीं। मेरा मानना है कि भारत के हर व्यक्ति को कानून को मानना चाहिए। अगर सपा के लोग उसे पूजना चाहते हैं तो पूजें। सीएम ने कहा- माघ मेले में जो मुद्दा नहीं था, उसे जानबूझकर मुद्दा बनाया गया। क्या हर व्यक्ति मुख्यमंत्री बनकर पूरे प्रदेश में घूम जाएगा?

राहुल का आरोप, ट्रेड डील से कपास किसानों को नुकसान

सोशल मीडिया पोस्ट में बोले- व्यापार समझौता आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील से कपास उगाने वाले किसानों और कपड़ा उद्योग पर उल्टा असर पड़ेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को अपने वीडियो पोस्ट में राहुल ने आरोप लगाया कि 18% टैरिफ बनाम 0% समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इसपर भ्रम फैला रहे हैं, और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं। पोस्ट में राहुल ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर 0% टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है - शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। राहुल ने बताया कि भारत के गारमेंट्स पर 18% टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया।

खालिस्तानी आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश का मामला

न्यूयॉर्क। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के मामले में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को 24 साल की जेल की सजा सुनाई गई। रिपोर्ट के मुताबिक निखिल ने शुक्रवार को अमेरिका के न्यूयॉर्क की कोर्ट में गुनाह कबूल कर लिया है। 29 मई को सजा का औपचारिक ऐलान किया जाएगा।

अमेरिकी जांच एजेंसी ने एक्स पर पोस्ट कर निखिल गुप्ता के अपराध कबूलने की जानकारी दी। एजेंसी के मुताबिक, यह साजिश एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए रची गई थी, जिसे अमेरिकी एजेंसियों ने समय रहते नाकाम कर दिया। यूएस अटॉर्नी ऑफिस के बयान के मुताबिक, निखिल गुप्ता उर्फ 'निक' ने सेकंड सुपरसिडिंग इंडिक्टमेंट में लगाए गए तीनों आरोपों को स्वीकार किया है।

दावा- अफसर रिटायर होकर 20 साल बुक पब्लिश नहीं करा सकेंगे : सरकार आदेश जारी कर सकती है

पूर्व आर्मी चीफ नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब पर विवाद

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

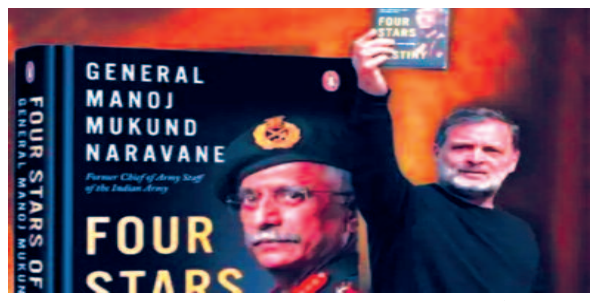

सरकार रिटायरमेंट के बाद सीनियर पोस्ट पर रहे अधिकारियों के लिए 20 साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड लागू करने पर विचार कर रही है। इस दौरान अफसर अपनी सर्विस से जुड़ी किताब प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। हाल ही में पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अनपब्लिश किताब विवादों में है।

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। कई मंत्रियों का मानना था कि मिलिट्री अधिकारियों समेत अहम पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक निश्चित कूलिंग-ऑफ पीरियड होना चाहिए।

सूत्रों के मुताबिक यह मुद्दा कैबिनेट के आधिकारिक 27 पॉइंट्स के एजेंडे में शामिल नहीं था, लेकिन सामान्य चर्चा के दौरान उठा। हालांकि, इस पर जल्द ही आदेश जारी हो सकता है।

राहुल किताब संसद लेकर पहुंचे, एफआईआर भी हुई

पूर्व आर्मी चीफ नरवणे के मेमॉयर 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' को लेकर विवाद 2 फरवरी को शुरू हुआ था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मेमॉयर में बताई गई घटनाओं का जिक्र करने की कोशिश की, और सरकार ने इस पर कड़ा एतराज जताया, क्योंकि किताब पब्लिश नहीं हुई थी। बाद में गांधी किताब की एक कॉपी संसद में लाए, ताकि यह साबित हो सके कि किताब मौजूद है। जल्द ही, किताब का पीडीएफ सोशल मीडिया पर शेयर होने लगा। संसद से सामने आए मुद्दे पर दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। डिजिटल और दूसरे फॉर्मेट में मैन्युस्क्रिप्ट के गैर-कानूनी सर्कुलेशन की जांच शुरू कर दी।

किताब की पब्लिशर पेंगुइन इंडिया ने एक बयान में कहा- किताब से जुड़ा जितना हिस्सा सर्कुलेशन में है, कॉपीराइट का उल्लंघन है।

सीजेआई बोले- जज अपनी सीमाएं पहचानें, गलतियों से सीखें :

कॉमनवेल्थ देशों के जजों की बैठक में कहा- दिखावे से ज्यूडिशियल लीडरशिप को नुकसान

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायिक नेतृत्व इस कारण कमजोर नहीं होता कि जज परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि तब प्रभावित होता है जब जज यह दिखाने लगते हैं कि वे बिल्कुल परफेक्ट हैं।

उन्होंने न्यायिक नेतृत्व को देखने के तरीके में बदलाव की जरूरत बताई। साथ ही सुझाव दिया कि राष्ट्रमंडल (कॉमनवेल्थ) देशों में न्यायिक शिक्षा, बार (वकील) और बेंच (जज) को जोड़ने के लिए एक संस्था बनाई जानी चाहिए।

शुक्रवार रात दिल्ली में कॉमनवेल्थ ज्यूडिशियल एजुकेटर्स (सीजेई) की 11वीं द्विवार्षिक बैठक के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि जज और न्यायिक संस्थाएं दोनों ही सीखने, सुधार करने और आगे बढ़ने में सक्षम होते हैं।

सीजेआई की स्पीच की बड़ी बातें...

जजों का काम केवल पुराने फैसलों (नजीर) की जानकारी रखना ही नहीं है, बल्कि कानून की ऐसी व्याख्या करना भी है जो आज के समय में न्याय दिला सके।

इतिहास में सबसे सम्मानित न्यायिक नेता वे थे, जिन्होंने खुद को पूर्ण नहीं बताया। वे अपनी सीमाओं को समझते थे, गलती की संभावना को स्वीकार करते थे और सीखने के लिए तैयार रहते थे।

राजस्थान में फिर बारिश की संभावना, पहाड़ों पर 2 दिन बाद बर्फबारी

मप्र, उप्र, राजस्थान समेत 5 राज्यों में पारा 30डिग्री पार

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी | rashtrabaan.in

देश के पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में 13 से 16 फरवरी तक दो विस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हैं। इससे अगले दो दिन में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहाड़ों पर बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। वहीं मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ में दिन का तापमान 30 डिग्री के पार हो चुका है।

मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 15 से ज्यादा शहरों में दिन का टेम्पेरेचर 30 डिग्री पार पहुंच चुका है। रात में भी पारा 10 डिग्री से ज्यादा है। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पारा 30 डिग्री के पार हो चुका है। बांदा में अधिकतम तापमान 31.2डिग्री और प्रयागराज में 30.4 डिग्री दर्ज किया गया।

छत्तीसगढ़ में औसतन तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिकतम तापमान 32.7 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज किया गया। राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की बारिश होने की संभावना है। शुक्रवार को हल्के बादल छाने से न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक गिरावट दर्ज हुई।

उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में कड़ाके की ठंड का असर साफ दिख रहा है। प्रदेश के सात शहरों का न्यूनतम तापमान -10 डिग्री से नीचे है। मुनस्यारी में सबसे कम पारा -26 डिग्री, गंगोत्री में -21 डिग्री और बद्रीनाथ में -19 डिग्री दर्ज किया गया।

झारखंड में पिछले 24 घंटों में चार जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रिकॉर्ड किया गया। इसमें डाल्टेनगंज, खूंटी, लोहरदगा और गुमला शामिल है। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में अभी हल्की बर्फबारी का दौर चल रहा है। कश्मीर को जम्मू से जोड़ने वाली मुगल रोड पर कई फीट बर्फ जमी है, इसके कारण यह अभी भी बंद है।

16 से फिर बदलेगा मौसम; भोपाल समेत 17 शहरों में दिन में गर्मी,

एमपी में 16 फरवरी के बाद बादल छा सकते हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के असर से ऐसा होगा। इससे पहले भोपाल, इंदौर समेत कई शहरों में दिन में गर्मी बढ़ गई है, जबकि पचमढ़ी, खजुराहो और कटनी की रातें ठंडी बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो फरवरी में मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। दिन गर्म और रातें ठंडी रहेंगी।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 14 फरवरी 2026

शहडोल राष्ट्रबाण

• ब्यौहारी • जयसिंघनगर • सोहागपुर • गोहपारु • बुढार • जैतपुर

शहर में अवैध सट्टा नेटवर्क की बढ़ती पकड़, युवाओं में बढ़ता रूझान

गुपचुप तरीके से फैलता अवैध सट्टा नेटवर्क, शहर के कई इलाकों में सक्रियता

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में एक बार फिर अवैध सट्टा कारोबार तेजी से सक्रिय होता नजर आ रहा है। शहर की गलियों से लेकर प्रमुख बाजारों तक गुप्त रूप से चल रहा अंकों का यह खेल युवाओं को तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है। कम समय में अधिक कमाई का झांसा देकर उन्हें इस जाल में फंसाया जा रहा है, जिसका असर अब कई परिवारों की आर्थिक स्थिति पर साफ दिखाई देने लगा है। जानकारों की माने तो शहर और आसपास के इलाकों में सट्टा संचालकों ने अपना नेटवर्क मजबूत कर लिया है। कहीं खुलेआम पर्चियां काटी जा रही हैं तो कहीं मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के जरिए दांव लगाए जा रहे हैं। बताया जाता है कि शुरुआत में युवाओं को छोटी रकम जितवाकर उनका भरोसा जीता जाता है, इसके बाद उन्हें बड़े दांव के लिए उकसाया जाता है। अधिकांश मामलों में फायदा संचालकों को होता है, जबकि खिलाड़ी कर्ज और निराशा में डूब जाते हैं।

थाना क्षेत्र में सक्रिय गिरोह

सूत्रों की माने तो सोहागपुर थाना क्षेत्र में कुछ नामचीन सट्टा संचालकों की गतिविधियां चर्चा में हैं। पप्पू गढ़ी सट्टा नेटवर्क चला रहा है जबकि ललन अपने गांव और आस-पास के इलाकों में दांव लगवा रहा है। वहीं लाला और रावेंद्र का नाम पुलिस लाइन क्षेत्र में सट्टा संचालन से जोड़ा जा रहा है। जानकारों की माने तो क्षेत्र में अलग-अलग नामों से नेटवर्क संचालित किए जाने की बात सामने आ रही है। आरोप है कि खुले और गुप्त दोनों तरीकों से अंक आधारित सट्टा खिलाया जा रहा है। पुराने सटोरिये अब डिजिटल माध्यमों का सहारा लेकर व्हाट्सएप और अन्य प्लेटफॉर्म के जरिए भी दांव लगवा रहे हैं, जिससे उन तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

जीरो से नौ तक का लालच

यह पूरा कारोबार शून्य से नौ तक के अंकों पर आधारित है। एक अंक खुलते ही बाकी सभी दांव हार जाते हैं। दस रुपये पर अस्सी रुपये मिलने जैसे लालच युवाओं को आकर्षित करते हैं, लेकिन जीतने वालों की संख्या बेहद कम होती है। हार के बाद कई युवक कर्ज लेकर दोबारा दांव लगाते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक संकट में फंस जाते हैं।

गांवों तक फैला जाल

पहले यह गतिविधि सीमित क्षेत्रों तक थी लेकिन अब इसका दायरा कस्बों और ग्रामीण अंचलों तक पहुंच चुका है। छोटे एजेंट गांव-गांव घूमकर दांव लगवा रहे हैं। डिजिटल लेन-देन और मोबाइल नेटवर्क के कारण इस अवैध कारोबार की पकड़ और मजबूत होती जा रही है।

बढ़ती सामाजिक चिंता

सट्टे की लत ने कई परिवारों में तनाव और कलह की स्थिति पैदा कर दी है। अभिभावकों का कहना है कि युवा पढ़ाई और रोजगार से भटक रहे हैं। कुछ मामलों में मानसिक अवसाद और आत्मघाती कदम उठाने जैसी स्थितियां भी सामने आने की आशंका जताई जा रही है। सामाजिक संगठनों ने इसे गंभीर समस्या बताते हुए प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रभावी कार्रवाई की दरकार

हालांकि समय-समय पर पुलिस द्वारा छापेमारी की खबरें आती रही हैं लेकिन लोगों का मानना है कि बड़े नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया है। नागरिकों ने व्यापक जांच और कठोर कदम उठाने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई तो यह अवैध कारोबार शहर की सामाजिक और आर्थिक संरचना को गहरा नुकसान पहुंचा सकता है।

पुरातत्व संग्रहालय का विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने शनिवार को जिला पुरातत्व संग्रहालय का भ्रमण किया। यह भ्रमण विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया था जो मूर्ति कला से जुड़ी आजीविका पर शोध कर रहे हैं। भ्रमण का उद्देश्य केवल ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त करना नहीं था बल्कि स्थानीय मूर्तिकला परंपरा को आजीविका, सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था और सामुदायिक विकास से जोड़कर अध्ययन करना था। संग्रहालय के प्रभारी संजय ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि मध्य प्रदेश के 55 जिलों में केवल 34 जिलों में संग्रहालय स्थापित हैं,और शहडोल का संग्रहालय इनमें प्रमुख माना जाता है। उन्होंने बताया कि संग्रहालय की स्थापना वर्ष 1981 में हुई थी और इसमें विंध्य क्षेत्र की प्राचीन कलाकृतियों को संरक्षित कर प्रदर्शित किया गया है। जिले का इतिहास प्रारंभिक पाषाण काल से शुरू होता है। नर्मदा, सोन, जोहिला, छोटी महानदी और बनास नदियों की घाटियों से हस्तकुठार, खुरचनी और सूक्ष्म पाषाण उपकरण मिले हैं। जयसिंहनगर के चितराव ग्राम में चित्रित शैलाश्रय और मध्य पाषाण कालीन उपकरणों के प्रमाण मिले हैं। अतौली-ठेगरहा क्षेत्र में जीवाश्मों की प्रचुरता भी इस क्षेत्र की प्राचीनता को दर्शाती है। संजय ने बताया कि देश में पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण और वैज्ञानिक परीक्षण मुख्यतः भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए जाते हैं, जो काल-निर्धारण, प्रमाणिकता और संरक्षण सुनिश्चित करते हैं।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्राप्त हुए आवेदनों का किया गया निराकरण

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

पात्र हितग्राहियों को भारत सरकार एवं राज्य शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं एवं उन योजनाओं में जिनके लक्ष्य निर्धारित हैं, लक्ष्य अनुरूप लाभ एवं शासन द्वारा प्रदाय की जा रही सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु शासन द्वारा संकल्प से समाधान अभियान संचालित किया गया है। अभियान का प्रथम चरण में 12 जनवरी से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दल गठित कर जन सामान्य से आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने बताया कि संकल्प से समाधान अभियान के तहत अभी तक जिले में 18808 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जनपद पंचायत ब्यौहारी में 1512 आवेदन, जयसिंहनगर जनपद में 3885 आवेदन, गोहपारू जनपद पंचायत में 1608 आवेदन, बुढ़ार जनपद पंचायत में 1567 आवेदन, सोहागपुर जनपद पंचायत में 2834 आवेदन, ब्यौहारी नगर परिषद में 1163 आवेदन, धनपुरी नगरपालिका में 2103 आवेदन, खांड़ नगर परिषद में 197 आवेदन तथा बकहो नगर परिषद में 928 आवेदन, बुढ़ार नगर परिषद में 180 आवेदन, शहडोल नगर पालिका में 2734, जयसिंहनगर नगर परिषद में 97 आवेदन प्राप्त हुए हैं। आपने अभियान के संचालन हेतु गठित दलों का भ्रमण कार्यक्रम निर्धारित कर प्रभावी रूप से घर-घर संपर्क कर आवेदन प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं तथा संबंधित निकायों के अधिकारियों को दैनिक रूप से मानीटरिंग करने को कहा।

नगर के वार्ड क्रमांक 29 में बदहाल हालात, सड़क और नाली से परेशान लोग

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

शहर के वार्ड क्रमांक 29 में बुनियादी सुविधाओं की कमी से लोगों का जीवन दूभर हो गया है। सिंहपुर रोड स्थित इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जाने वाली मुख्य सड़क वर्षों से अधूरी पड़ी है। सड़क न बनने और पक्की नालियों के अभाव में रहवासियों को धूल, कीचड़ और गंदगी के बीच रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में सड़क कीचड़ से लबालब भर जाती है, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। वहीं गर्मी के मौसम में हालात और भी खराब हो जाते हैं, हल्की सी हवा चलते ही धूल के गुबार पूरे इलाके में फैल जाते हैं। घरों में दिन में कई बार सफाई करनी पड़ती है फिर भी धूल की मोटी परत जम जाती है। बच्चों और बुजुर्गों में खांसी, एलर्जी और सांस संबंधी समस्याएं बढ़ने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जाने वाला यह मार्ग न केवल स्थानीय निवासियों, बल्कि मजदूरों और छोटे व्यापारियों के लिए भी परेशानी का कारण बना हुआ है। खराब सड़क के चलते वाहन अक्सर खराब हो जाते हैं और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

नालियों की स्थिति भी चिंताजनक

नालियों की स्थिति भी चिंताजनक बताई गई है। कई स्थानों पर नालियां जाम हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है। जगह-जगह पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और संक्रमण फैलने की आशंका बनी हुई है। बदबू के कारण राहगीरों को नाक ढंककर गुजरना पड़ता है। रहवासियों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों को शिकायत दी गई लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। चुनाव के समय किए गए वादों की याद दिलाते हुए लोगों ने वार्ड पार्षद पर भी उपेक्षा का आरोप लगाया है।

आंदोलन की चेतावनी

अब क्षेत्र के लोग एकजुट होकर आंदोलन की तैयारी में हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही सड़क और नाली निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे नगर पालिका कार्यालय का घेराव करेंगे। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या संबंधित विभाग समय रहते कार्रवाई करेगा या फिर वार्ड 29 के लोग यूं ही बदहाली झेलते रहेंगे।

मुख्यमंत्री रसोई केंद्र और आश्रय स्थल का सीएमओ ने किया निरीक्षण

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

नगर पालिका परिषद शहडोल की नवागत मुख्य नगरपालिका अधिकारी आशा भंडारी ने शनिवार को नगरपालिका के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री रसोई केंद्र और आश्रय स्थल रैन बसेरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आश्रय स्थल की साफ-सफाई, बेडशीट और बिस्तरों की स्थिति का जायजा लिया। 25 बिस्तरों वाले आश्रय स्थल की व्यवस्था में सुधार के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री रसोई केंद्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने भोजन की गुणवत्ता भी परखी और केंद्र में भोजन ग्रहण किया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि हितग्राहियों को भरपेट, पौष्टिक और साफ-सुथरा भोजन उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा रसोई केंद्र को स्वच्छ और सुसज्जित बनाए रखने के साथ दानदाता संस्थाओं से सहयोग लेने के प्रयास तेज करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान स्थापना शाखा प्रभारी मोतीलाल सिंह और सिटी मिशन मैनेजर सत्यकाम मिश्रा उपस्थित रहे।

छादा रेलवे स्टेशन के पास मिला वृद्ध का शव, इलाके में फैली दहशत

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बुढ़ार थाना क्षेत्र अंतर्गत छादा रेलवे स्टेशन के समीप शुक्रवार-शनिवार दरम्यानी रात एक बुजुर्ग का शव रेलवे ट्रैक के किनारे मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान धनपुरा निवासी जनार्दन द्विवेदी के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक वे रोजाना की तरह शाम को टहलने के लिए घर से निकले थे लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। चिंतित परिजन उनकी तलाश में जुटे ही थे कि इसी बीच रेलवे लाइन के पास एक शव मिलने की सूचना मिली। ग्रामीणों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए आशंका जताई है कि मामला केवल दुर्घटना का नहीं हो सकता। उनका कहना है कि शव जिस अवस्था में पाया गया उससे कई तरह के संदेह पैदा हो रहे हैं। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि यह हादसा था या कोई साजिश। घटना के बाद क्षेत्र में भय और शोक का माहौल है। परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं वहीं पुलिस ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है।

सारंगपुर रोड पर ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

खैरहा थाना क्षेत्र अंतर्गत सारंगपुर रोड पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई। खेत की जुताई के लिए जा रहा ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक इंजन के नीचे दब गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हाफिज पिता सफीक उम्र 36 वर्ष सुबह ट्रैक्टर लेकर खेत की ओर निकला था। रास्ते में अचानक वाहन असंतुलित हो गया और इंजन पलट गया। हादसा इतना अचानक हुआ कि चालक को बचने का अवसर नहीं मिल सका। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पलटे ट्रैक्टर को सीधा कर चालक को बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे का कारण माना जा रहा है हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की बारीकी से पड़ताल कर रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाहरी श्रमिकों को प्राथमिकता देने का आरोप ; लिखित आश्वासन नहीं मिला तो उग्र प्रदर्शन की चेतावनी

अमलाई ओसीएम में रोजगार को लेकर बढ़ा तनाव, स्थानीय युवाओं का आंदोलन तेज

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

सोहागपुर क्षेत्र स्थित एसईसीएल की अमलाई ओपन कास्ट माइंस में रोजगार को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ठेका कंपनी आरकेटीसी के खिलाफ स्थानीय युवाओं ने मोर्चा खोल दिया है। बीते कई दिनों से खदान के मुख्य द्वार पर धरना-प्रदर्शन जारी है, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने आरोप लगाया कि कंपनी ने कार्य प्रारंभ करने से पहले स्थानीय बेरोजगारों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने का आश्वासन दिया था। युवाओं का कहना है कि उस समय उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि खदान में होने वाली भर्तियों में क्षेत्रीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी लेकिन अब भर्ती प्रक्रिया में बाहरी लोगों को मौका दिया जा रहा है। इससे स्थानीय युवाओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है।आंदोलनकारियों का यह भी दावा है कि योग्य और तकनीकी रूप से सक्षम होने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। उनका कहना है कि बार-बार आवेदन और ज्ञापन देने के बाद भी कंपनी प्रबंधन की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कुछ युवाओं ने यह आरोप भी लगाया कि उनकी मांगों को सुनने के बजाय टालमटोल की जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि मौखिक आश्वासनों से अब भरोसा नहीं किया जा सकता। वे चाहते हैं कि कंपनी की ओर से लिखित रूप में स्पष्ट किया जाए कि स्थानीय बेरोजगारों को उनकी योग्यता के अनुसार प्राथमिकता दी जाएगी। युवाओं ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को और व्यापक तथा उग्र रूप दिया जाएगा। लेकिन खदान प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। फिलहाल सभी की नजर जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के अगले कदम पर टिकी है ताकि स्थिति को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जा सके।

समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी हेतु किसानों का पंजीयन प्रारंभ

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की व्यवस्था की जाती है। इसी कड़ी में जिले में गेहूं उपार्जन हेतु किसानों का पंजीयन 07 फरवरी से शुरू हो गया है और यह 7 मार्च तक चलेगा। किसान पंजीयन के लिए एमपी किसान ऐप, ई-उपार्जन पोर्टल और ई-उपार्जन मोबाइल ऐप का उपयोग कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिले के सभी प्रस्तावित खरीदी केन्द्रों पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है।अधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि वे अनिवार्य रूप से निर्धारित खरीदी केन्द्रों पर पंजीयन कराएं, क्योंकि केवल पंजीकृत किसानों से ही समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की जाएगी।पंजीयन निःशुल्क है और इसे स्वयं के मोबाइल, कंप्यूटर, खरीदी केन्द्रों या ग्राम पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्रों के माध्यम से किया जा सकता है। इसके अलावा एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केन्द्र और साइबर कैफे में 50 रुपये शुल्क देकर भी पंजीयन कराया जा सकता है। पंजीयन के दौरान किसान को आधार संख्या से लिंक बैंक खाता, खेती के खसरा नंबर और ऋण पुस्तिका की जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज करनी होगी।

राष्ट्रबाण
सिवनी, शनिवार 14 फरवरी 2026

बैतूल राष्ट्रबाण

● मुलताई ● बैतूल बाजार ● आमला ● भैंसादंड ● सारणी ● बोरदई ● आठनेर

जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत करना पहली प्राथमिकता: निलय डागा

आमला विधान सभा के चारों नवनियुक्त अध्यक्षों के साथ की रणनीतिक बैठक

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

आमला विधानसभा क्षेत्र में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष निलय डागा ने चारों नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक बैठक जिला कार्यालय में आयोजित की। बैठक में हाल ही में नियुक्त जिला संगठन महासचिव बृजभूषण पांडे ने विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए संगठन विस्तार की ठोस रूपरेखा रखी।

बैठक में आमला ब्लॉक अध्यक्ष विजेंद्र भावसार, सारनी ब्लॉक अध्यक्ष बटेश्वर भारती, बोरदेही ब्लॉक अध्यक्ष महेश यादव और सारनी ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष ललित यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष निलय डागा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करना ही पहली प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक में पंचायत कमेटियों का गठन शीघ्र किया जाए और उसके साथ ही हर वार्ड में सक्रिय वार्ड कमेटियां बनाई जाएं, ताकि संगठन की पकड़ बूथ स्तर तक सुनिश्चित हो सके।

निलय डागा ने कहा कि जब तक संगठन की जड़ें गांव और वार्ड तक नहीं पहुंचेंगी, तब तक जनता की आवाज प्रभावी ढंग से नहीं उठाई जा सकती। उन्होंने चारों ब्लॉक अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय कार्यकर्ताओं की पहचान कर उन्हें जिम्मेदारियां सौंपने के निर्देश दिए। साथ ही यह भी कहा कि प्रत्येक स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित कर रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजी जाए। जिला संगठन महासचिव बृजभूषण पांडे ने बैठक में विस्तृत कार्ययोजना रखते हुए बताया कि आने वाले समय में सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तिकरण और जनसमस्याओं के संकलन पर विशेष जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत और वार्ड कमेटियों के गठन के बाद एक संरचित नेटवर्क तैयार होगा, जिसके माध्यम से आमजन की समस्याएं सीधे जिला स्तर तक पहुंचेंगी और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रम भी तय किए जाएंगे।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आमला विधानसभा क्षेत्र के चारों ब्लॉकों में अलग-अलग चरणों में संगठनात्मक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। हर ब्लॉक अध्यक्ष को समयबद्ध लक्ष्य दिए गए हैं और कार्य की प्रगति की निगरानी की जाएगी। रणनीतिक बैठक का स्वर और संदेश साफ था कि कांग्रेस अब आमला विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक ढांचे को नीचे से ऊपर तक व्यवस्थित कर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना चाहती है। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। बैठक के बाद कार्यकर्ताओं में सक्रियता और उत्साह का माहौल दिखाई दिया, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियां तेज होने वाली हैं।

पुलवामा के शहीदों को किया नमन

बैठक के समापन अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने पुलवामा में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुआ आतंकी हमला देश के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है, लेकिन हमारे वीर सैनिकों का साहस, शौर्य और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण सदैव अमर रहेगा। उन्होंने कहा कि शहीद जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की एकता और अखंडता की रक्षा की है, जिसके लिए समूचा राष्ट्र उनका सदैव ऋणी रहेगा।

बैतूल में कबाड़ से जुगाड़ कर बनाया गरुड़

दो हजार लोहे के टुकड़ों से बनी 50 किलो की प्रतिमा

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल नगरपालिका के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर नेहा गर्ग द्वारा शुरू किया गया 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान अब शहर की पहचान बनता जा रहा है। इसी पहल के तहत शहर के युवा चित्रकार और कला गुरु श्रेणिक जैन ने एक और अनूठी कलाकृति तैयार की है। उन्होंने अपनी शिष्या उमा सोनी के साथ मिलकर करीब दो हजार लोहे के टुकड़ों को जोड़कर भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ की भव्य प्रतिमा बनाई है।

यह प्रतिमा 5 फीट लंबी, 4 फीट चौड़ी और करीब 5 फीट ऊंची है, जिसका वजन लगभग 50 किलो है। इसे पूरी तरह कबाड़ से जुटाए गए लोहे के पत्तों, रॉड और सलाखों से तैयार किया गया है। श्रेणिक ने बताया कि इस प्रतिमा को बनाने में करीब पांच हफ्ते का समय लगा। उन्होंने पहले गरुड़ की मुद्रा और रूप को बारीकी से देखा, फिर कबाड़ से लाए धातु के टुकड़ों को आकार देकर वेल्डिंग तकनीक से जोड़ा।

ऐसी अन्य आकर्षक आकृतियां बना चुके

श्रेणिक जैन ने बताया कि 'कबाड़ से जुगाड़' का कॉन्सेप्ट नेहा गर्ग ने शुरू किया था, जिसका मकसद शहर में स्वच्छता को कला के जरिए बढ़ावा देना है। नेहा की इस पहल की सराहना केंद्र सरकार के स्वच्छता मंत्रालय तक कर चुका है। श्रेणिक उनके मार्गदर्शन में अब तक शहर के कई चौराहों और सार्वजनिक स्थलों के लिए ऐसी आकर्षक आकृतियां बना चुके हैं, जिनमें लोहे के पुराने पुर्जों, पंखों और मशीनों के हिस्सों का रचनात्मक उपयोग किया गया है।

गरुड़ की यह नई प्रतिमा पारंपरिक आस्था और आधुनिक धातु शिल्पकला का अद्भुत संगम मानी जा रही है। इसमें गरुड़ के विस्तृत पंख, तीव्र दृष्टि और शक्ति से भरी मुद्रा को बेहद सजीव रूप में दर्शाया गया है। फिलहाल यह तय नहीं हुआ है कि इस प्रतिमा को कहां स्थापित किया जाएगा, लेकिन नगरपालिका इसे किसी प्रमुख स्थान पर लगाने की तैयारी में है।

यह कलाकृति न केवल धार्मिक और कलात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह इस संदेश को भी मजबूत करती है कि स्वच्छता और सृजनशीलता साथ मिलकर शहर को न केवल सुंदर बल्कि प्रेरणादायी भी बना सकती हैं।

उपसरपंच सहित तीन के खिलाफ रानीपुर थाने में शिकायत

सीसी रोड निर्माण में विवाद : उपसरपंच और पंच पति पर निर्माण कार्य तुड़वाने का आरोप, जांच की मांग

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

घोड़ाडोंगरी जनपद की ग्राम पंचायत अनकावाड़ी में सी.सी. रोड निर्माण कार्य को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। पंचायत में पहले से चल रही शिकवा-शिकायतों के बीच अब मामला थाना रानीपुर पहुंच गया है। सरपंच और सचिव सहित सीसी निर्माण में कार्य करने वाले मजदूरों ने संयुक्त रूप से थाना प्रभारी, थाना रानीपुर को लिखित शिकायत सौंपकर शासकीय निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में बताया गया है कि ग्राम पंचायत अनकावाड़ी में दीपक जोठे के घर से मोक्षधाम की ओर सी.सी. रोड का निर्माण कार्य जारी है। इसी दौरान पंच पति रामजी यादव, उपसरपंच श्याम यादव और पंच पति राजकुमार यादव, निवासी अनकावाड़ी, द्वारा निर्माण कार्य में हस्तक्षेप किया गया। आरोप है कि मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य को तोड़ा गया और काम रुकवाने का प्रयास किया गया।

शिकायत के अनुसार संबंधित लोगों ने कार्यस्थल पर मौजूद मजदूरों के साथ गाली-गलौज की और उन्हें काम नहीं करने दिया। मजदूरों को स्पष्ट रूप से काम बंद करने के लिए कहा गया, जिससे निर्माण कार्य बाधित हो गया। कार्यस्थल पर मौजूद मजदूरों ने

पूर्व में भी बाधा और अभद्र भाषा का आरोप

सूचना मिलने पर सरपंच स्वयं मौके पर पहुंचे और मजदूरों से चर्चा की। शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि इससे पहले भी इन व्यक्तियों द्वारा निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न की गई थी तथा सरपंच के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था। लगातार हो रही इस प्रकार की घटनाओं से पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

– थाना रानीपुर में जांच और कार्रवाई की मांग

सरपंच और सचिव ने थाना प्रभारी से अनुरोध किया है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि शासकीय सी.सी. रोड निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के पूर्ण कराया जा सके।

संजय कुमार चौरसे को भारत सरकार ने बनाया सेंट्रल पब्लिक नोटरी

बैतूल में पांच वर्षों तक नोटेरी कार्य करने के लिए किया अधिकृत

बैतूल। भारत सरकार द्वारा नोटेरी अधिनियम 1952 (1952 का 53) के अधीन बैतूल गर्ग कॉलोनी निवासी अधिवक्ता संजय कुमार चौरसे को नोटेरी के रूप में अधिकृत किया गया है। उन्हें

सम्पूर्ण बैतूल जिले में नोटेरी के रूप में व्यवसाय करने की अनुमति प्रदान की गई है। जारी प्रमाण पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह नियुक्ति नोटेरी अधिनियम 1952 के प्रावधानों के तहत की गई है और उन्हें पांच वर्ष की अवधि के लिए नोटेरी कार्य करने हेतु प्राधिकृत किया गया है। यह प्रमाण पत्र 04 फरवरी 2026 को अपर विधिक सलाहकार, विधि एवं न्याय मंत्रालय, विधि कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी किया गया हैं। इस नियुक्ति के साथ अब संजय कुमार चौरसे अधिकृत रूप से बैतूल में नोटेरी सेवाएं प्रदान करेंगे।

भोपाली मेले में गुफा मंदिर जाना बैन, एलईडी स्क्रीन बंद, मायूस भक्त

पहाड़ी दरकने के कारण तीसरे साल भी नहीं कर सके दर्शन

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बैतूल जिले के प्रसिद्ध छोटा महादेव भोपाली मेले की शुरुआत शनिवार को हो गई। महाशिवरात्रि के अवसर पर विधायक योगेश पंडाग्रे ने मेले का शुभारंभ किया। सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने लगातार तीसरे साल गुफा मंदिर में जाने पर प्रतिबंध लगा रखा है। श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए प्रशासन ने पहाड़ी के नीचे स्थष्ठ स्क्रीन लगाई थी, लेकिन कुछ ही घंटों बाद जनरेटर का डीजल खत्म होने से वह बंद हो गई। इससे दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं को मायूसी हाथ लगी।

प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से गुफा मंदिर तक श्रद्धालुओं के जाने पर रोक लगा रखी है। पहाड़ी में वर्ष 2014 से पड़ी दरार अब और गहरी हो चुकी है, जिससे पूरा पहाड़ दो हिस्सों में बंट गया है। इसी खतरे को देखते हुए प्रशासन ने यहां जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया है। इसके अलावा काला बाबा मंदिर और चौरागढ़ महादेव तक जाने का रास्ता भी बंद रखा गया है।

श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए गुफा में स्थापित शिवलिंग के लाइव दर्शन के लिए कैमरा और स्थष्ठ स्क्रीन लगाई गई थी। शुरुआत में तो सब ठीक रहा, लेकिन थोड़ी देर बाद जनरेटर में ईंधन खत्म होने से बिजली गुल हो गई और स्क्रीन बंद पड़ गई।

फीकी रही रौनक, ट्रैक्टरों से पहुंचे श्रद्धालु

मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचे, लेकिन प्रतिबंधों के कारण भीड़ सामान्य से कम रही। पहले जहां बैलगाड़ियों की कतारें लगती थीं, वह नजारा इस बार नहीं दिखा। महाराष्ट्र और आसपास के इलाकों से श्रद्धालु ट्रैक्टर और अन्य वाहनों से यहां पहुंचे। लोगों ने देनवा नदी में स्नान कर पूजा-अर्चना की। वहीं आदिवासी समुदाय ने पारंपरिक तरीके से देव पूजन किया। यह मेला करीब 10 दिन तक चलेगा।

नि :शुल्क चिकित्सा शिविर में 201 लाभार्थियों ने लिया आयुष की सेवाओं का लाभ

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

वन विद्यालय बैतूल में 14 फरवरी शनिवार को आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन कार्यालय संचालक वन विद्यालय बैतूल के आग्रह पर किया गया। शिविर संचालक वन विद्यालय बैतूल लक्ष्मीकांत वासनिक, अनुदेशक वन विद्यालय अमित खन्ना और सहायक अनुदेशक वन विद्यालय केएस बघेल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

जिला आयुष अधिकारी डॉ योगेश चौकीकर ने बताया कि वन विद्यालय बैतूल में नोडल अधिकारी डॉ लक्ष्मी किशनानी द्वारा आयुष विभाग की संचालित योजनाओं एवं सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय में संचालित गुदा मार्गगत रोग चिकित्सा शिविर, पंचकर्म शिविर, गर्भ संस्कार, स्वर्ण प्राशन, आयुष क्योर एप तथा प्रतिदिन योगाभ्यास के संबंध में जानकारी प्रदान की।

शिविर में डॉ नरेंद्र डढोरे, डॉक्टर पूनम नागले, डॉक्टर हेमराज इवने, डॉ अर्चना आसरेकर, डॉ शिवदयाल कुमरे सहित कुल 15 कर्मचारियों ने सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने रोग अनुसार निःशुल्क औषधियों का वितरण किया तथा योग शिक्षक सहायक ने दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करने हेतु सरल योग क्रियाएं और अभ्यास कराए।

बड़केश्वर धाम में आज महाशिवरात्रि पर होगा विशाल भंडारा

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आज 15 फरवरी को सोनाघाटी क्षेत्र के राजा भोज मार्ग स्थित बड़केश्वर धाम शिव मंदिर में भगवान शिव के विशेष पूजन-अर्चन के साथ विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। बड़केश्वर धाम समिति के अध्यक्ष देवा पवार ने बताया कि सुबह 9 बजे भोले बाबा का विशेष अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद हवन अनुष्ठान संपन्न होगा। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारा प्रसादी का शुभारंभ किया जाएगा।

समिति के संरक्षक एवं विरासत समिति के जिलाध्यक्ष राजू अनुराग पवार ने जानकारी दी कि पिछले 14 वर्षों से निरंतर शिवभक्तों के लिए भोजन प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी जनता और शिवभक्तों से विशेष अनुष्ठान में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। आयोजकों के अनुसार भंडारा दोपहर से देर शाम तक अनवरत जारी रहेगा।

मातृ पितृ पूजन दिवस को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने की मांग

आज जिलेभर में होगा मातृ पितृ पूजन दिवस का आयोजन

संत श्री आशारामजी बापू की प्रेरणा से 18 वर्षों से मनाया जा रहा मातृ पितृ पूजन दिवस

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

14 फरवरी को मनाए जाने वाले मातृ पितृ पूजन दिवस को राष्ट्रीय पर्व घोषित किए जाने की मांग को लेकर श्री योग वेदांत सेवा समिति बैतूल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपा गया है। यह ज्ञापन भोपाल में मप्र जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर की सुपुत्री के शुभ विवाह अवसर पर फंदा कला स्थित निर्वाणा रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सौंपा गया। समिति के संरक्षक राजेश मदान एवं अन्य साधकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य, वरिष्ठ प्रचारक एवं पूर्व सह सरकार्यवाह सुरेश सोनी को मातृ पितृ पूजन दिवस की जानकारी देते हुए इसे राष्ट्रीय पर्व घोषित करवाने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक मांग पहुंचाने का आग्रह किया। इस पर दोनों वरिष्ठजनों ने सहयोग का आश्वासन दिया।

राजेश मदान ने बताया कि संत श्री आशारामजी बापू की प्रेरणा से विगत 18 वर्षों से 14 फरवरी को देश ही नहीं बल्कि विश्वभर में मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया जा रहा है, जिससे बच्चों और युवाओं में माता-पिता के प्रति आदर और सम्मान की भावना सुदृढ़ हो रही है। अब यह आयोजन विश्व व्यापी हो चुका है।

उन्होंने बताया कि 14 फरवरी को बैतूल जिले के विद्यालयों, घरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया जाएगा। प्रातः 10 बजे भारत भारती आवासीय विद्यालय में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके बाद दोपहर 12 बजे वृद्धाश्रम सहित अन्य विद्यालयों, घरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर भी आयोजन होंगे। समिति ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने घरों में माता-पिता का तिलक, पुष्पहार, परिक्रमा और आरती कर उनका आशीर्वाद लेकर मातृ पितृ पूजन दिवस हर्षोल्लास से मनाएं।

एक करोड़ के सहयोग से पीएमयूएम शिक्षक संघ ने रचा इतिहास

बैतूल| संवाददाता
rashtrabaan.in

मात्र तीन सहयोग अभियानों में एक करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान कर पीएमयूएम शिक्षक संघ ने प्रदेश में संवेदनशीलता और संगठनात्मक एकता की ऐतिहासिक मिसाल कायम की है। जिला प्रभारी जिला बैतूल कृष्णा देशमुख और जिला अध्यक्ष रितेश राठौर ने बताया कि दिवंगत सदस्यों के परिजनों को आर्थिक संबल देने की इस अनूठी पहल ने संगठन को जनविश्वास का प्रतीक बना दिया है।

संघ की शुरुआत टीकमगढ़ से हुई थी और आज यह मध्यप्रदेश के 55 जिलों में सक्रिय होकर ऑन रिकॉर्ड 90 हजार से अधिक सदस्यों का सशक्त परिवार बन चुका है। तीन ऐतिहासिक सहयोग अभियानों में स्वर्गीय दिलीप सिंह लोधी दमोह के परिजनों को लगभग 40 लाख रुपये, स्वर्गीय राकेश अहिरवार दतिया/निवाड़ी के परिजनों को लगभग 38 लाख रुपये तथा स्वर्गीय किशुन प्रसाद लाड़िया दमोह के परिजनों को लगभग 22 लाख रुपये की सहायता दी गई है। किशुन प्रसाद लाड़िया के लिए सहयोग अभियान 20 फरवरी तक जारी है।

इस उपलब्धि के पीछे संस्थापक सतीश खरे की मानवीय सोच प्रमुख आधार रही है। उनका कहना है कि एक करोड़ कोई उपलब्धि नहीं, यह सेवा यात्रा की शुरुआत है।

प्रदेश के 55 जिलों में सक्रिय जिला और ब्लॉक पदाधिकारी, आईटी सेल, प्रांतीय एवं संभागीय नेतृत्व तथा मातृ शक्ति की प्रेरणा से संघ सहयोग और एकता की सशक्त मिसाल बनकर उभरा है। बैतूल में जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पठाड़े और भोजराव गुजरे, जिला संगठन मंत्री अनिल कापसे, ब्लॉक प्रभारी रवि सरनेकर, मंगेश धुर्वे, सुभाष गाडरे, अनिल कौशिक, दिनेश सरयाम, एकनाथ महतकर, नरसिंह धुर्वे, विनोद ठाकुर, सैलेंद्र देशमुख, शिव सलामे, देवराम कालभोर द्वारा सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

बिना रेरा, बिना टीएनसी परमिशन! बेच रहे प्लाट, प्रशासन मौन

○ महोबिया ग्रुप फिर एक्टिव, झूठे प्रलोभन से प्लॉट बेचने का खेल शुरू?

○ फिर सक्रिय हुए महोबिया ग्रुप के लुटेरे दलाल!

शहर में एक बार फिर जमीन कारोबार को लेकर हलचल तेज हो गई है। चर्चाओं के केंद्र में है महोबिया ग्रुप, जिस पर आरोप है कि वह बिना रेरा पंजीयन और बिना टीएनसी परमिशन के कॉलोनी काटकर प्लॉट बेचने की तैयारी में जुट गया है। सूत्रों का दावा है कि ग्रुप के कर्मचारी और उससे जुड़े दलाल निवेशकों को ऊंचे मुनाफे और आकर्षक सुविधाओं का लालच देकर फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल बड़ा है, क्या प्रशासन फिर से आंख मूंदे बैठा है, या इस बार सख्त कार्रवाई होगी?

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

सिवनी जिले में एक बार फिर भूमाफियाओं के गुर्गे सक्रिय हो गए है। निवेशकों के लिए ये पुराने घाव, नई साजिश के रूप में सामने आया है? बताया जा रहा है कि इससे पहले भी महोबिया ग्रुप ने निवेशकों को सुनहरे सपने दिखाकर प्लॉट बुकिंग कराई थी। उस समय भी कई ग्राहकों ने भविष्य में दोगुना-तिगुना रिटर्न, विकसित कॉलोनी, चौड़ी सड़कें और सभी शासकीय अनुमति होने के दावे सुने थे। लेकिन जब दस्तावेजों की सच्चाई सामने आई, तो कई निवेशकों ने अपनी जमा राशि वापस लेकर बुकिंग रद्द कर दी थी। अब एक बार फिर वही पैटर्न दोहराया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, ग्रुप से जुड़े लोग अलग-अलग माध्यमों से संभावित खरीदारों तक पहुंच बना रहे हैं। फोन कॉल, व्हाट्सऐप मैसेज और व्यक्तिगत संपर्क के जरिए निवेश का प्रस्ताव दिया जा रहा है। दावा किया जा रहा है कि ÷सीमित समय÷ का ऑफर है और जल्दी निर्णय लेने पर भारी लाभ होगा। जबकि प्रशासनिक अनुमति पर सवाल अब भी यथावत है!

महोबिया ग्रुप, अब निवेशकों को फसाने बुन रहा नया जाल।

● रेरा पंजीयन पर सवाल

रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और निवेशकों की सुरक्षा के लिए रेरा कानून लागू किया गया है। किसी भी प्रोजेक्ट को बेचने से पहले रेरा में पंजीयन अनिवार्य है। लेकिन सूत्रों का दावा है कि महोबिया ग्रुप ने अब तक संबंधित प्रोजेक्ट का रेरा पंजीयन नहीं कराया है। यदि यह सच है, तो बिना पंजीयन प्लॉट की बिक्री करना नियमों का सीधा उल्लंघन माना जाएगा। रेरा पंजीयन के बिना निवेशकों को प्रोजेक्ट की वास्तविक स्थिति, स्वीकृत नक्शा, भूमि की वैधता और विकास कार्यों की जानकारी नहीं मिल पाती। ऐसे में खरीदार पूरी तरह जोखिम में होता है।

● टीएनसी परमिशन भी नहीं?

केवल रेरा ही नहीं, बल्कि कॉलोनी विकसित करने के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसी) से भी लेआउट की अनुमति आवश्यक होती है। सूत्रों का दावा है कि संबंधित प्रोजेक्ट को टीएनसी से भी मंजूरी प्राप्त नहीं है। बिना स्वीकृत लेआउट के प्लॉट बेचना न सिर्फ अवैध है, बल्कि भविष्य में खरीदारों के लिए कानूनी विवादों का कारण भी बन सकता है।यदि कॉलोनी का नक्शा स्वीकृत नहीं है, तो वहां सड़क, पानी, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास भी संदिग्ध हो जाता है। ऐसे में नगर पालिका और ग्राम पंचायत ऐसी कालोनियों को अवैध घोषित कर उस पर कोई विकास कार्य नहीं करती और लोग असुविधा का दंश भोगते हुए परेशान होते हैं। जिससे ग्राहक और निवेशकों अपने आपको ठगा महसूस करते है।

● निवेशकों को फिर दिखाए जा रहे 'सब्जबाग'

सूत्रों के अनुसार, दलाल और कर्मचारी संभावित ग्राहकों को यह कहकर लुभा रहे हैं कि 卐कागजी प्रक्रिया चल रही है卐 और जल्द ही सभी परमिशन मिल जाएंगी। कुछ को यह भी बताया जा रहा है कि शुरुआती चरण में निवेश करने पर विशेष छूट और अतिरिक्त लाभ मिलेगा। लेकिन जानकारों का कहना है कि किसी भी प्रोजेक्ट में पैसा लगाने से पहले रेरा पंजीयन संख्या और टीएनसी स्वीकृति की पुष्टि करना बेहद जरूरी है। केवल मौखिक आश्वासन के आधार पर निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है।

प्रशासन की चुप्पी पर सवाल

सबसे बड़ा सवाल प्रशासन की भूमिका को लेकर उठ रहा है। यदि वास्तव में बिना रेरा और बिना टीएनसी अनुमति के प्लॉट बेचे जा रहे हैं, तो संबंधित विभागों को स्वतः संज्ञान लेकर जांच शुरु करनी चाहिए। जमीन से जुड़े मामलों में छोटी सी लापरवाही भी आम नागरिक की जीवनभर की जमा पूंजी पर भारी पड़ सकती है। शहर में पहले भी अवैध कॉलोनियों और भूमाफियाओं पर कार्रवाई के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन जमीन पर स्थिति कितनी बदली है, यह बड़ा प्रश्न है। क्या इस बार भी शिकायत आने का इंतजार किया जाएगा, या सक्रिय निगरानी की जाएगी?

निवेशकों रहे सावधान

किसी भी प्लॉट या प्रॉपर्टी में निवेश करने से पहले जांच अवश्य कर लेना चाहिए। जैसे रेरा पंजीयन संख्या और वेबसाइट पर सत्यापन, टीएनसी से स्वीकृत लेआउट है या नहीं, भूमि के स्वामित्व से जुड़े दस्तावेज, विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति और भुगतान की रसीद और स्पष्ट एग्रीमेंट अगर इन दस्तावेजों में कोई कमी हो, तो निवेश से बचना ही बेहतर है।

प्रशासन से सख्ती की दरकार

महोबिया ग्रुप पर लगे आरोप यदि सही हैं, तो यह न केवल नियमों की अनदेखी है, बल्कि आम जनता के विश्वास के साथ खिलवाड़ भी है। बार-बार एक ही तरीके से निवेशकों को लुभाने की कोशिश इस बात की ओर इशारा करती है कि या तो नियमों का डर नहीं है या निगरानी व्यवस्था कमजोर है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है। क्या संभावित फर्जीवाड़े पर लगाम लगेगी, या फिर एक बार फिर निवेशकों की मेहनत की कमाई दांव पर लग जाएगी? शहर की नजरें अब कार्रवाई पर टिकी हैं।

महाशिवरात्रि के पावन पर्व के शुभ अवसर पर शिवालयों में रहेगी भक्तों की धूम

श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में हवन यज्ञ व विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे आज

राष्ट्रबाण बालाघाट | संवाददाता rashtrabaan.in

संपूर्ण बालाघाट जिले के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न शिव मंदिरों महादेव मंदिरों शिवालयों में मां पार्वती व शंकर भगवान की पूजा अर्चना करने आस्था व श्रद्धा के साथ मंदिरों में भक्ति नजर आएंगे। लालबर्रा तहसील मुख्यालय के श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर मानपुर हॉस्पिटल कॉलोनी लालबर्रा में महाशिवरात्रि के पावन पर्व के शुभ अवसर पर विभिन्न धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। मनकामेश्वर महादेव मंदिर व श्री भोलेशंकर जन कल्याण समिति मानपुर लालबर्रा के अध्यक्ष रणधीर सिंह सिंगर ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर में 9 दिन तक विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न हो रहे हैं। जहां 8 फरवरी से धार्मिक आयोजन प्रारंभ है जिसमें 14 फरवरी 2026 शनिवार को पूर्णाहुति यज्ञ समापन, आज 15 फरवरी रविवार को भव्य शिव बारात 4 बजे से, 16 फरवरी सोमवार को भंडारा महाप्रसाद वितरण किया जाएगा शाम 7 बजे से एवं प्रतिदिन शाम 6 बजे से महाआरती की जा रही है। जहां पंडित जी के मुखारविंद से विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कराने में सहयोग प्रदान किया जाएगा। श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर हॉस्पिटल कॉलोनी मानपुर लालबर्रा, शिव मंदिर पनबिहरी, महादेव मंदिर जबलटोला, अमोली एवं जिले भर के अन्य शिवालयों में आज माता पार्वती व भगवान शिव शंकर महादेव के भक्त जलाभिषेक कर विधि विधान से पूजन करने जिले भर के विभिन्न शिव शंकर महादेव मंदिर शिवालयों में बड़ी आस्था और उत्साह के साथ पूजन करने शिव के भक्तों का तांता लगा रहेगा। जहां सभी शिव मंदिर आयोजन समितियों ने मंदिर व मंदिर परिसर के आसपास साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था, मंदिरों में रंग रोगन एवं महाशिवरात्रि पर्व के मद्देनजर सभी तैयारियां आयोजन समितियों ने पूर्ण कर चुकी है। विभिन्न शिव मंदिर एवं शिवालयों में भगवान शिव पार्वती की गूंज सभी शिवालयों में होगी। जहां सुबह से ही रात तक भक्तों के द्वारा पूजा करने के लिए बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ मंदिरों में भक्तों की भीड़ नजर आएगी विभिन्न शिवालयों शिव शंकर महादेव मंदिरों में आयोजन समितियां भक्तों के लिए महाप्रसादी वितरण भी करती हैं। विभिन्न शिव मंदिर आयोजन समिति के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने नगर गांव व पास पड़ोस के गांव के शिव भक्तों से अधिक संख्या में पहुंचकर पुण्य धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है।

भारतीय स्टेट बैंक शाखा हिर्री द्वारा वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन

राष्ट्रबाण किरनापुर | संवाददाता rashtrabaan.in

12 फरवरी को ग्राम बिनोरा में भारतीय स्टेट बैंक शाखा हिर्री द्वारा वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमे विशेष अतिथि के रूप में भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक मनोज शर्मा सर उपस्थित रहे। शाखा प्रबंधक द्वारा आज भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देश अनुसार वित्तीय साक्षरता की जानकारी देते हुए खाते के साइबर फ्रॉड खातों की केवाईसी म्यूल अकाउंट एवं सोशल सुरक्षा बीमा जिसमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा,प्रधानमंत्री अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, पर्सनल लोन, होम लोन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, (एमएमएमवाय) भारत सरकार द्वारा छोटे और सूक्ष्म उद्योग योजना लोन की जानकारी ग्रामीणों तक कार्यक्रम के माध्यम

से बताई गई। कार्यक्रम में विशेष योगदान भारतीय स्टेट बैंक शाखा हिर्री एवं कियोस्क संचालक रूपलाल खैरवार की महत्वपुर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही तथा कार्यक्रम का सम्पूर्ण मंच संचालन सम्माननीय गोविंद पटले सर द्वारा किया गया। मंच संचालक गोविंद पटले जी ने जिस अंदाज़ में मंच संचालन किया उनकी प्रसंशा पूरे क्षेत्र में जोर शोर से हो रही हैं। अपने मंच संचालन में पटले जी ने सभी क्षेत्रवासियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों को मिला संबल: सांसद श्री कुलस्ते

कृषि विज्ञान मेले का हुआ सफल आयोजन, किसानों को मिली आधुनिक खेती की जानकारी

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

शासन के निर्देशानुसार आत्मा योजना अंतर्गत शनिवार 14 फरवरी को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड सिवनी में कृषि विज्ञान मेला का आयोजन हुआ। मेले में जिलेभर से बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर आधुनिक, वैज्ञानिक एवं प्राकृतिक खेती से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम को संबोधित कर सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस पूरे वर्ष किसानों की आय बढ़ाने, खेती को टिकाऊ और लाभकारी बनाने तथा नई तकनीकों को खेत तक पहुंचाने पर विशेष फोकस रहेगा। उन्होंने कहा कि सिंचाई के क्षेत्र में तेजी से विस्तार किया जा रहा है और प्रदेश में 55 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि सिंचित हो रही है, जिसे आने वाले वर्षों में और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने आधुनिक कृषि को समय की मांग बताते हुए ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों, उन्नत बीजों, ड्रोन आधारित छिड़काव, मृदा परीक्षण और वैज्ञानिक खेती के महत्व पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि सहित केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों को सीधा आर्थिक संबल मिल रहा है, जिससे खेती में निवेश और आत्मविश्वास दोनों बढ़े हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें और नई तकनीकों को अपनाकर अपनी आय दोगुनी करने की दिशा में आगे बढ़ें।

विधायक दिनेश राय ने अपने उद्बोधन में किसानों से संवादात्मक शैली में बात करते हुए कहा कि अब समय परंपरागत खेती से आगे बढ़कर ज्ञान आधारित खेती का है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी भूमि की उर्वरता, जल धारण क्षमता, जल स्त्रोत और बाजार की मांग का अध्ययन कर फसल चयन करें, ताकि कम लागत में अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने प्राकृतिक खेती को भविष्य की खेती बताते हुए कहा कि इससे मिट्टी की सेहत सुधरेगी, उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ेगी और स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने समन्वित खेती मॉडल पर विशेष जोर देते हुए कहा कि फसल उत्पादन के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, बागवानी, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों को जोड़कर किसान जोखिम कम कर सकते हैं और सालभर आय सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने सौर ऊर्जा आधारित पंप और कृषि उपकरणों को अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि इससे बिजली खर्च कम होगा और किसान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को गांव स्तर तक प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और बाजार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं।

विधायक कमल मर्सकोले ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार का उद्देश्य खेती को मजबूरी नहीं, बल्कि लाभ का व्यवसाय बनाना है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में कृषि लागत कम करने और किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। खाद और बीज की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वितरण प्रणाली को मजबूत किया गया है, जिससे किसानों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए नहर, लिफ्ट सिंचाई, तालाब निर्माण और सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है, जिससे खेतों तक पानी पहुंचे और उत्पादन बढ़े। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे शासन की योजनाओं का लाभ लेने में सक्रिय रहें और आधुनिक कृषि यंत्रों व नई तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाएं।

पूर्व सांसद ढालसिंह बिसेन ने

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जिला जेल का निरीक्षण, विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीशचंद्र राय की अध्यक्षता में शनिवार 14 फरवरी 2026 को सिवनी जिला जेल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधान न्यायाधीश द्वारा जेल में निरुद्ध विचाराधीन एवं सजायाफ्ता बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया इस अवसर पर बंदियों को प्ली बार्गेनिंग, अपील, निःशुल्क

विधिक सहायता, जमानत संबंधी प्रावधान, लोक अदालत तथा अन्य विधिक सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही जेल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर बंदियों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सुविधाओं से अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान जेल की साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, पेयजल, शौचालय, बैरक एवं सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत अवलोकन किया गया। व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए।

जिले में हाईस्कूल एवं हायरसेकेण्डरी की मुख्य परीक्षा शांतिपूर्ण रूप से संपन्न

राष्ट्रबाण सिवनी | संवाददाता rashtrabaan.in

जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी द्वारा जानकारी देकर बताया गया कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायरसेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक जिले के 84 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की जा रही है

उन्होंने बताया कि शनिवार 14 फरवरी 2026 को हाईस्कूल के हस्तशिल्प एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय की परीक्षा 51 केन्द्रों पर हुई जिसमें 3693 विद्यार्थी पंजीकृत थे 3669 उपस्थित रहे और 24 अनुपस्थित रहे वहीं नकल प्रकरण निरंक रहा।

इसी क्रम में हायरसेकेण्डरी बायोटेक्नॉलोजी विषय की परीक्षा

1 केन्द्र पर हुई जिसमें 1 विद्यार्थी पंजीकृत था जो अनुपस्थित रहा वहीं नकल प्रकरण निरंक पाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रूम से परीक्षा की निगरानी की गई तथा जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय दलों ने निरीक्षण किया सभी केन्द्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संपन्न हुई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायलयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433